मेरा प्रिय खिलाड़ी

Mera Priya Khiladi

सुनील गवास्कर जो 1987 में क्रिकेट से रिटायर हुए थे, मेरा प्रिय खिलाड़ी है। वह सन्नी गवास्कर के नाम से प्रसिद्ध हैं। उसे 'लिटल मास्टर' का नाम भी दिया गया है। सन्नी सबसे पहली बार मार्च 1971 को वेस्टइंडीज के खिलाफ अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में आए। उन्होंने केवल 7 मैचों में ही 774 रन बना लिए थे। उनके खेल ने सभी खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया था।

सुनील गवास्कर जैसे ओपनर बहुत ही कम हैं। वह एक ठंडे दिमाग तथा कमाल के खिलाड़ी हैं। बैटिंग करने में उनकी तकनीकी समझ बहुत अच्छी है। ऐसा बहुत कम हुआ है कि वह अच्छा प्रदर्शन न कर पाए हों। उनकी बल्लेबाजी दूसरों के लिए एक नमूना है। वह हुक, कट तथा ग्लांस बहुत आत्मविश्वास से करने में सक्षम थे।

सुनील के नाम कई रिकार्ड दर्ज हैं। उसने अपने क्रिकेट के जीवन में 34 टेस्ट शतक बनाए। उसने टेस्ट-क्रिकेट में 10122 रन बनाए। वह दुनिया का एकमात्र ऐसा खिलाड़ी हैं जिसने टेस्ट मैच की दोनों पारियों में तीन बार शतक बनाने का कारनामा किया। वह एकमात्र ऐसा बल्लेबाज है जिसने लगातार तीन पारियों में तीन शतक लगाए और वह भी दो बार। उसके रिकार्डों की सूची बहुत लंबी है।

एक अच्छा खिलाड़ी होने के साथ-साथ सन्नी एक अच्छा कप्तान भी था। एक कप्तान रूप में उसने मैच जीते ज्यादा और हारे कम। भारत ने उसकी कप्तानी में 8 मैच जीते और हारे। उसे खेल की बहुत अच्छी समझ है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि मैं उसे चाहता हूँ।